

**रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) :** (क) से (ग). महाराष्ट्र में धूलिया जिले के सोनडेल नामक स्थान पर मिलिटरी स्कूल खोलने के लिए सरकार को प्रस्ताव मिले हैं।

रायगढ़ के सर्वोप मिलिटरी अर्थात् सैनिक स्कूल स्थापित किए जाने के सम्बन्ध में राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है।

रायगढ़ में सैनिक स्कूल स्थापित करने के लिए मुझसे दिये जाने पर यह स्पष्ट किया गया था कि ऐसा स्कूल राज्य सरकार की सिकारिण पर ही स्थापित किया जा सकता है। यह आश्वासन दिया गया था कि राज्या सरकार के अनुरोध पर केन्द्र सरकार ऐसे स्कूल के लिए सामान्यतया दो जाने वाली सहायता देगी।

**Workers Sector for various Mills**

410. SHRI SUDHIR GHOSAL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up a workers sector for entrusting the expansion of following spheres of work to this sector:—(1) City Transport, (2) House Building, (3) Rice Mills, (4) Sugar Mills, (5) Oil Mills, (6) Textile Mills, (7) Paper Mills, (8) Brick Industries, (9) Atta Mills, (10) Leather Industry; and

(b) whether Government encourage the workers sector by making credit facilities available from the institutions set up by State and Central Governments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI-MATI ABHA MAITI): (a) and (b). The Statement on Industrial Policy laid before Parliament on 23rd December, 1977 has clarified Government's policy regarding workers' participation in para 33 thereof. The same is reproduced below:

"33. The most important single resource of any country is the skill and

hard work of its people. We, in India, have an abundant supply of labour which is capable of acquiring new skills very quickly and also an existing reservoir of technical and managerial personnel. These resources can be used effectively only in an environment in which the workers and managers develop a sense of personal involvement in the working of the enterprise. Family control of business particularly in the field of large scale industry is an anachronism, and it will be Government's policy to insist on professionalism in management. At the same time, ways and means have to be found to create amongst workers, both in public and private sector industries, a stake in the efficient working of their units....."

**श्रीकांगवाणी के विभिन्न केन्द्रों से 20 सूत्री कार्यक्रम का प्रसारण**

411. श्री टी० एस० नेगी : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 8 मार्च, 1978 के अतिरिक्त प्रश्न संख्या 2080 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 9 जनवरी, 1978 को प्रसारित किए गये 'चिन्तन' कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त हो गई है ; और

(ख) यदि हां, तो जिन-जिन वाणिज्य केन्द्रों से यह कार्यक्रम प्रसारित हुआ था, उनके अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

**सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण शर्मा) :** (क) जी हां।

(ख) सम्बन्धित प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव तथा ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव को क्रमशः "निन्दा" और दो वर्ष के लिए 'वेतन वृद्धियां रोकने" का दण्ड दिया गया है। प्रोडक्शन